नई दिल्ली□ आईपी□ल फाइनल में शतक जमाने के बाद सुर्खियों में आ□ रिधिमान साहा

ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ □डीलेड टेस्ट में बना□ 35 रन को इससे बेहतर पारी बताया□ किंग्स इलेवन पंजाब के लि□ आईपी□ल फाइनल में शतक जमाने वाले साहा ने प्रेस ट्रस्ट से कहा,''भले ही परिप्रेक्ष्य पूरी तरह अलग हो लेकिन मैं □डीलेड टेस्ट की 35 रन की पारी और छठे विकेट के लि□ विराट कोहली के साथ शतकीय साझेदारी को अपने दिल के अधिक करीब कहूंगा□''

उन्होंने कहा,''मुझे आईपी□ल फाइनल में अपने शतक पर गर्व है लेकिन वह टेस्ट मैच था□ विराट शानदार बल्लेबाजी कर रहा था और मैंने उसके पहले टेस्ट शतक में उसका साथ दिया□''

उन्होंने कहा,''रयान हैरिस, बेन हिल्फेनहास और पीटर सिडल उस समय गेंदबाजी कर रहे थे□ मैंने 94 गेंदें खेली और वह मेरा दूसरा टेस्ट था□ आउट होने तक मैं रफ्तार और स्विंग को आराम से खेल रहा था जिससे मुझे आत्मविश्वास मिला कि मैं इस स्तर पर खेल सकता हूं□ आईपी□ल का यह शतक अच्छा था लेकिन स्वीकार करना होगा कि केकेआर ने हमसे बेहतर प्रदर्शन किया□ हम उन्हें रनरेट बरकरार रखने से रोक नहीं सके□''

साहा ने यह भी बताया कि उन्होंने सुनील नारायण का सामना कैसे किया जिसके खिलाफ उन्होंने आठ में से चार छक्के लगा□ थे□ साहा ने कहा, ''मैं पहली बार नारायण को खेल रहा था लिहाजा मैंने तय किया कि मैं बैकफुट पर टिककर अतिरिक्त सेकंड का इंतजार करूंगा ताकि गेंद को भांप सकूं□ इससे मुझे स्लॉग ओवरों में अच्छे प्रदर्शन में मदद मिली□''

यह पूछने पर कि क्या वह आईपी□ल के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज विकेटकीपर हैं, उन्होंने कहा,''बिल्कुल नहीं□ मैं विशेषज्ञ विकेटकीपर हूं जिसका काम बल्ले से भी अच्छा प्रदर्शन करना है□ विकेटकीपिंग मेरी सर्वोपरि प्राथमिकता थी, है और रहेगी□''

उन्होंने कहा,''मिसाल के तौर पर बांग्लादेश के आगामी दौरे पर मैं छठे या सातवें नंबर से ऊपर बल्लेबाजी नहीं करूंगा□ मैं अजिंक्य रहाणे, चेतेश्वर पुजारा या सुरेश रैना से पहले नहीं उतरूंगा□ मैं खुद को विकेटकीपर बल्लेबाज मानता हूं□''

'आईपीएल के शतक से बड़ी है एडीलेड में 35 रन की पारी'
Wednesday, 04 June 2014 15:38

(भाषा)

2 / 2